Chapter : Bal Ram Katha - Sita Ki Khoj

प्रश्न- राम कुटिया वापस आते हुए क्या सोच रहे थे?

उत्तर- राम ने मारीच की माया देख ली थी इसलिए वह चाहते थे कि लक्ष्मण कुटिया के पास ही हों । मारीच की मायावी आवाज़ लक्ष्मण तक न पहुँची हो ।

प्रश्न- राम सीता के लिए क्यों चिंतित हो रहे थे?

उत्तर- राम इसलिए चिंतित थे क्योंकि उनको डर था कि अगर सीता अकेली हुई तो राक्षस उन्हें मार डालेंगे या खा जाएँगे।

प्रश्न- लक्ष्मण को पगडंडी पर आते देख राम के मन में किस प्रकार के सवाल उठने लगे?

उत्तर - लक्ष्मण को पगडंडी पर आते देख राम के मन में कई प्रकार के सवाल उठने लगे जैसे कि पता नहीं सीता किस हाल में होगी? राक्षसों ने उन्हें मार डाला होगा? उठा ले गए होंगे? अकेली सीता दुष्ट राक्षसों के सामने क्या कर पाई होंगी? अदि।

प्रश्न- राम लक्ष्मण से क्यों क्रोधित थे?

उत्तर - राम लक्ष्मण से इसलिए क्रोधित थे क्योंकि लक्ष्मण सीता को अकेला छोड़ कर राम को ढूंढ़ने के लिए निकल गए थे।

प्रश्न- राम की बेचैनी क्यों बढ़ गई?

उत्तर - जब राम के पुकारने पर भी कुटिया से सीता की कोई आवाज़ नहीं आई तो राम की बेचैनी बढ़ गई।

प्रश्न- किसने किससे कहा?

i. "देवी सीता ने मुझे विवश कर दिया, भ्राते! उनके कटु वचन मैं सहन नहीं कर सका।"

लक्ष्मण ने राम से कहा।

Aakash Institute

ii.“यह तुमने अच्छा नहीं किया। तुम्हें मेरी आज्ञा का उल्लंघन नहीं करना चाहिए था।”

राम ने लक्ष्मण से कहा।

प्रश्न- सीता के हरण के बाद कुटिया के आस पास के दृश्य का वर्णन कीजिए ।

उत्तर- सीता के हरण के बाद कुटिया के आस पास सन्नाटा छा गया था । हर दिन हवा में झूलने वाले पत्ते शांत थे । लताएँ गुमसुम पड़ी हुई थीं । चिड़ियों की चहक लुप्त थी । कुटिया के निकट घूमने वाले पशु-पक्षी चुप खड़े थे ।

प्रश्न- आश्रम पहुँचते ही राम ने सीता को कहाँ-कहाँ ढूँढा?

उत्तर- राम ने सीता को कुटिया में, कुटिया के आस-पास, पेड़ों-झाड़ियों के पीछे और उन सभी स्थानों पर ढूँढा जहाँ सीता हो सकती थीं ।

प्रश्न- सीता को कुटिया में न पाकर राम की क्या स्थिति हुई?

उत्तर - सीता को कुटिया में न पाकर राम शोक से व्याकुल हो कर रोने लगे । सीता से बिछुड़ना उनके लिए असहनीय आघात था । वे सुध बुध भुला बैठे ।

प्रश्न- विरह में राम ने सीता का पता किस-किस से पूछा?

उत्तर - विरह में राम ने सीता का पता गोदावरी नदी, पंचवटी के एक-एक वृक्ष, हाथी, शेर, फूलों, पथरों और चट्टानों से पूछा ।

प्रश्न- राम की मानसिक स्थिति कैसी हो गयी थी?

उत्तर - राम की मानसिक स्थिति विक्षिप्त जैसी थी । एक बार उन्हें लगा कि सीता वहीं कुटिया के पास है और उन्हें खिझाने के लिए पेड़ के पीछे छीप गई है ।

प्रश्न- किसने किससे कहा?

i. “मैं सीता के बिना नहीं रह सकता।”

राम ने लक्ष्मण से कहा।

Aakash Institute

ii. "आप आदर्श पुरुष हैं। आपको धैर्य रखना चाहिए।"
लक्ष्मण ने राम से कहा।

प्रश्न- हिरणों ने किस प्रकार सीताजी के बारे में रामजी को संकेत दिया?

उत्तर- हिरणों ने सिर उठाकर आसमान की ओर देखा और दक्षिण दिशा की ओर भाग गए। रामजी हिरणों का संकेत समझ गए।

प्रश्न- सीता को वन में ढूँढ़ते हुए राम क्या देख कर असमंजस में पड़ गए?

उत्तर- टूटे हुए रथ के टुकड़े, मृत घोड़े और मारा हुआ सारथी को वन में देखकर राम असमंजस में पड़ गए।

प्रश्न- रथ के पास राम को सीता की कौन सी वस्तु मिली?

उत्तर - राम को रथ के पास पुष्पमाला मिली जो सीता ने वेणी में गूँथ रखा था।

प्रश्न- राम ने टूटे हुए रथ से थोड़ी दूरी पर क्या देखा?

उत्तर - राम ने टूटे हुए रथ से थोड़ी दूरी पर पक्षिराज जटायु को लहूलुहान अवस्था में देखा जिनके पंख कटे हुए थे और वह अपनी अंतिम साँसें गिन रहे थे।

प्रश्न- जटायु की अंतिम क्रिया किसने की?

उत्तर - जटायु की अंतिम क्रिया राम ने की।

प्रश्न- जटायु ने सीता के बारे में कौन सी महत्वपूर्ण सूचना दी थी?

उत्तर - जटायु ने सीता के बारे में यह महत्वपूर्ण सूचना दी थी कि रावण सीता जी को दक्षिण पश्चिम दिशा की ओर ले गया है।

प्रश्न-7 किसने किससे कहा?

i. "हमें सीता की खोज दक्षिण दिशा में ही करनी चाहिए।"

Aakash Institute

राम ने लक्ष्मण से कहा।

ii. "हे राजकुमार! सीता को रावण उठा ले गया है मेरे पंख उसी ने काटे हैं।"
जटायु ने राम से कहा।

प्रश्न- राम और लक्ष्मण को वन मार्ग में किस प्रकार की कठिनाईयों का सामना करना पड़ा?

उत्तर- राम और लक्ष्मण को वन मार्ग में अनेक कठिनाईयों का सामना करना पड़ा। उन्हें लगभग हर दिन राक्षसी आक्रमणों से जूझना पड़ता था ।

प्रश्न- कबंध कौन था और कैसा दिखता था?

उत्तर- कबंध विशालकाय राक्षस था । वह बहुत डरवाना था । उसकी गर्दन नहीं थी । उसकी एक आँख थी, दाँत बाहर निकले हुए और जीभ साँप की तरह लंबी और लपलपाती हुई थी ।

प्रश्न- राम और लक्ष्मण को देखते ही कंबध क्यों प्रसन्न हो गया?

उत्तर - कबंध इसलिए प्रसन्न था क्योंकि उसे बैठे-बिठाए मनमाँगा आहार मिल गया था ।

प्रश्न- कबंध ने राम से क्या आग्रह किया?

उत्तर - कबंध ने राम से आग्रह किया कि उसका अंतिम संस्कार राम करें।

प्रश्न- कंबध किस के शक्ति और बुद्धि पर आश्चर्यचकित था और क्यों?

उत्तर - राम और लक्ष्मण के शक्ति और बुद्धि पर कबंध आश्चर्यचकित था क्योंकि उन्होंने अपनी तलवार से एक झटके में ही कंबध के हाथ काट दिए थे ।

प्रश्न- कंबध ने राम और लक्ष्मण की किस प्रकार सहायता की?

उत्तर - कंबध ने राम और लक्ष्मण को बताया कि वे वानरराज सुग्रीव से मदद का आग्रह करें।

Aakash Institute

प्रश्न-7 वानरराज सुग्रीव कहाँ रहते थे?

उत्तर - वानरराज सुग्रीव पंपा सरोवर के निकट ऋष्यमूक पर्वत पर रहते थे।

प्रश्न- पंपा सरोवर के पास किसका आश्रम था?

उत्तर - पंपा सरोवर के पास मतंग ऋषि का आश्रम था।

प्रश्न- शबरी कौन थी और वो कहाँ रहती थी?

उत्तर - शबरी मतंग ऋषि की शिष्या थी और वह मतंग ऋषि के आश्रम में ही रहती थी।

प्रश्न- पंपा सरोवर की क्या विषेषता थी?

उत्तर - पंपासर का प्राकृतिक सौंदर्य अदभुत था। लता कुंज से घिरा हुआ। सरोवर का पानी मीठा था।

प्रश्न- शबरी किसकी प्रतीक्षा में थी और क्यों?

उत्तर - शबरी राम की प्रतीक्षा में थी क्योंकि मतंग ऋषि ने सबरी को बताया था कि एक दिन राम आश्रम जरूर आएँगे।

प्रश्न- शबरी ने राम की आवभगत किस प्रकार की?

उत्तर - शबरी ने राम की सेवा की ।उन्हें मीठे फल दिए और रहने की जगह दी।

Aakash Institute